Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

वर्ष- 27 ◻ अंक- 310 ◻ रायपुर, बुधवार 4 दिसम्बर 2024 ◻ पृष्ठ-8 ◻ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • बिलासपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

बस्तर में भूकंप के झटके

बीजापुर के उसूर, आवापल्ली, भोपालपटनम ब्लॉक सहित पूरे जिले मे भूकंप के झटके

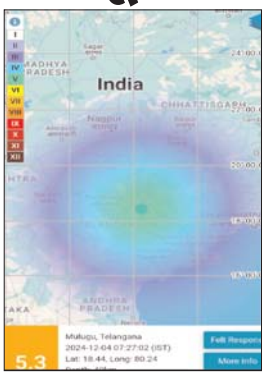

रायपुर, 4 दिसंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के कई जिलों में आज सुबह भूकंप के झटके महसूस किए हैं। बस्तर के दंतेवाड़ा, बीजापुर सहित पखांजूर के कुछ क्षेत्रों में आज सुबह-सुबह भूकंप के तेज झटके लोगों की नींद खुली। जानकारी के मुताबिक सुबह 7.28 बजे के आसपास लोगों को ये महसूस किया कि धरती में कंपन हो रही है। जिसके बाद लोग अपने अपने घरों से बाहर निकल गए। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र विजयवाड़ा करीमनगर के पास मूलगु जिले में था। बीजापुर जिले के उसूर, आवापल्ली, बीजापुर, भोपालपटनम ब्लॉक सहित पूरे जिले मे भूकंप के झटके लोगों ने महसूस किए। बीजापुर, सुकमा और दंतेवाड़ा में लोगों ने ये भूकंप के झटके महसूस किए। मैग्नीट्यूड 5.3 रिएक्टर स्केल भूकंप की तीव्रता बताई जा रही है।

दिल्ली सरकार निर्माण गतिविधियों पर प्रतिबंध से प्रभावित श्रमिकों को 8,000 रुपये का मुआवजा देगी

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल) दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के कारण शहर में निर्माण संबंधी गतिविधियों पर लगे प्रतिबंध से प्रभावित 90,000 से अधिक पंजीकृत श्रमिकों में से प्रत्येक को 8,000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का फैसला किया है। प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तहत 18 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी में निर्माण संबंधी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया गया था। अधिकारियों के अनुसार यह निर्णय अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) आशीष चंद्र वर्मा की अध्यक्षता में दिल्ली भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड की बैठक में लिया गया। यह कदम हाल ही में उच्चतम न्यायालय द्वारा एनसीआर राज्यों के मुख्य सचिवों को दिए गए निर्देश के मद्देनजर उठाया गया है, जिसमें कहा गया था कि वे 5 दिसंबर को वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर बताएं कि प्रतिबंधों के कारण बिना काम के रह गए निर्माण श्रमिकों को कोई निर्वाह भत्ता दिया गया है या नहीं।

फडणवीस होंगे महाराष्ट्र के नए सीएम

भाजपा विधायक दल की बैठक में फैसला

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। महाराष्ट्र भाजपा के नेता सुधीर मुनगंटीवार ने बताया कि महायुति गठबंधन के नेता बुधवार शाम साढ़े तीन बजे के करीब राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात करेंगे और सरकार बनाने का दावा पेश करेंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के नाम पर संशय के बादल छंट गए हैं। देवेंद्र फडणवीस महाराष्ट्र के अगले मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा के विधायक दल की बैठक में बुधवार को देवेंद्र फडणवीस को दल का नेता चुना गया। विधायक दल की बैठक से पहले कोर कमेटी की बैठक में भी देवेंद्र फडणवीस के नाम पर सहमति बन गई थी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, गुजरात के पूर्व सीएम विजय रूपाणी बतौर केंद्रीय पर्यवेक्षक विधायक दल की बैठक में मौजूद रहे। फडणवीस 5 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद फडणवीस ने सभी विधायकों और पार्टी कार्यकर्ताओं का आभार जताया। फडणवीस ने विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश देने के लिए राज्य की जनता का भी आभार जताया।

ब्रेकिंग न्यूज

सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला, स्वर्ण मंदिर के गेट पर फायरिंग; पकड़ा गया हमलावर

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। पंजाब के अमृतसर में शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल पर हमला किया गया है। स्वर्ण मंदिर में उन पर गोली चलाई गई है, हालांकि वे सही सलामत हैं। वे श्री अकाल तख्त साहिब की तरफ से दी गई धार्मिक सजा भुगतने श्री हरमंदिर साहिब पहुंचे थे। पुलिस ने आरोपी नारायण सिंह चौरा को गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, हमलावर नारायण सिंह चौरा बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी रहा है। चौरा 1984 में पाकिस्तान गया था और आतंकवाद के शुरुआती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में मददगार रहा है। पाकिस्तान में रहते हुए उसने कथित तौर पर गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर एक किताब भी लिखी है। वह बुड़ैल जेलब्रेक मामले में भी आरोपी है। नारायण इससे पहले पंजाब की जेल में सजा काट चुका है।

एक ही परिवार के तीन लोगों की चाकू घोंपकर हत्या

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। दिल्ली के नेब सराय इलाके में बुधवार सुबह एक अधेड़ दंपति और उनकी बेटी की उनके घर में कथित तौर पर चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकरी दी। पुलिस ने बताया कि तीनों की पहचान राजेश कुमार (51), उनकी पत्नी कोमल (46) और उनकी बेटी कविता (23) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, दंपति के बेटे अर्जुन ने सुबह करीब साढ़े पांच बजे सैर के बाद घर लौटकर शवों को देखा। एक अधिकारी ने बताया कि उसने पड़ोसियों को सूचित किया, जिन्होंने फिर पुलिस को बुलाया। अधिकारी ने कहा, ''अपराध टीम तथा फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है और प्रथम दृष्टया घर से किसी भी सामान की चोरी या तोड़फोड़ नहीं हुई है।'' घटना के बारे में जानकारी देते हुए अर्जुन के मामा सतीश कुमार ने कहा, ''राजेश मेरे साले थे। मुझे मेरे भतीजे (अर्जुन) ने घटना के बारे में फोन पर सूचित किया था। राजेश सेना से सेवानिवृत्त थे और वर्तमान में वह सुरक्षा अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे, जबकि उनकी बेटी कॉलेज में पढ़ती थी।'' कुमार ने बताया कि वित्तीय विवाद के कारण हमला होने की संभावना हो सकती है। देवली से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक प्रकाश जरवाल ने पीड़ित के घर जाकर राजेश के बेटे से बात की। जरवाल ने कहा, ''यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। उनके बेटे ने मुझसे पूछा, 'अब मैं किसके लिए जिऊंगा?'''

बिरादरी की बातें

चूहा- सुनती हो, अंततः देवेन्द्र फड़णवीस ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनाए गए।

चुहिया- हां जी, सस्पेंस ऐसे बनाकर रखे थे जैसे राष्ट्रपति बनाने वाले हैं।

सुकमा में लड़की की सड़ी-गली लाश मिली, सिर धड़ से अलग

सुकमा, 4 दिसंबर (हाईवे चैनल)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में कृषि विज्ञान केंद्र (ष्ठद्धद्ध) कैंपस में एक युवती की अर्धनग्न सड़ी-गली लाश मिली है। उसका सिर धड़ से अलग था। कपड़े झाड़ियों में पड़े मिले। हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, ष्ठद्धद्ध कैंपस के ब्लॉक-3 के पास मंगलवार को शव बरामद किया गया है। बताया जा रहा है कि, इलाके के लोग लकड़ी लेने के लिए गए थे। तभी झाड़ियों के पास से बदबू आ रही थी। लोग जब पास पहुंचे तो वहां लाश पड़ी थी।

स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। सुकमा थाने से जवान मौके पर पहुंचे। जिसके बाद शव को उठाकर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया। सुकमा थाना प्रभारी शिवानंद तिवारी ने कहा कि, पुलिस हर पहलुओं से जांच कर रही है। फिलहाल शव की पहचान नहीं हो पाई है। लाश अर्धनग्न हालत में मिली है। सिर भी शव से अलग मिला है। जिस जगह शव पड़ा हुआ था वहां से कुछ ही दूरी पर खोपड़ी मिली है। लाश पूरी तरह से सड़ चुकी है।

कार और पिकअप में जबरदस्त टक्कर, हादसे में 3 युवकों की मौत

सूरजपुर, 4 दिसंबर (हाईवे चैनल)। सूरजपुर जिले के प्रतापपुर अंबिकापुर मार्ग पर स्थित गोटगंवा में एक भीषण सड़क हादसा हो गया. सब्जियों से लोड एक पिकअप और एक कार के बीच आमने-सामने की भिड़ंत हो गई, जिसमें कार में सवार तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर तीनों के शव को पीएम के लिए भेज दिया और आगे की कार्रवाई में जुट गई है। जानकारी के मुताबिक, मृतक युवक वाड्रफनगर निवासी हैं. प्रतापपुर पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

किसानों से किया वादा पूरा क्यों नहीं करते: उपराष्ट्रपति धनखड़ ने मंच पर ही कृषि मंत्री को खरी खरी सुनाई

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल) ।किसानों के आंदोलन को लेकर देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मोदी सरकार को आड़े हाथ लेते हुए मंच पर ही कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को खरी खरी सुना दी और कह दिया कि किसानों को हल्के में लेना भारी पड़ेगा। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) जैसे प्रमुख संस्थानों की मौजूदगी के बावजूद किसान संकट में हैं। जगदीप धनखड़ ने कहा कि किसान संकट में हैं और आंदोलन कर रहे हैं तथा यह स्थिति देश के समग्र कल्याण के लिए अच्छी नहीं है।

जगदीप धनखड़ की बातें सुन कर शिवराज सिंह चौहान को समझ नहीं आ रहा था कि करें तो क्या करें। हम आपको बता दें कि उपराष्ट्रपति ने अपने धुआंधार भाषण में कहा कि किसान यदि आज के दिन आंदोलित हैं, उस आंदोलन का आकलन सीमित रूप से करना बहुत बड़ी गलतफहमी और भूल होगी। उन्होंने कहा कि जो किसान सड़क पर नहीं है, वह भी आज के दिन चिंतित हैं, आज के दिन परेशान हैं। उन्होंने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र का दर्जा मिलना है तो हर व्यक्ति की आय को आठ गुना करना है। उस आठ गुना करने में सबसे बड़ा योगदान ग्रामीण अर्थव्यवस्था का है, किसान कल्याण का है। उन्होंने कहा कि मैंने दो दिन पहले मेरी चिंता व्यक्त की थी कि किसान आंदोलित हैं। मैंने किसान भाइयों से आह्वान किया था की हमें निपटारे की ओर बढ़ना चाहिए। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हम अपनों से नहीं लड़ सकते। हम यह विचारधारा नहीं रख सकते कि उनका पड़ाव सीमित रहेगा, अपने आप थक जाएंगे। उन्होंने कहा कि भारत की आत्मा को परेशान थोड़ी ना करना है, दिल को चोटिल थोड़ी ना करना है। उन्होंने कहा कि मुझे समझ में नहीं आ रहा है कि किसान से वार्ता क्यों नहीं हो रही है?

उन्होंने कहा कि हम तो रिवार्ड के बजाय जो स्ह्लद्ब द्ब उसको नहीं दे रहे। जो वादा किया गया है, हम उसको देने में भी कंजूसी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने जब आह्वान किया तो मुझे अच्छा लगा कि एक प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि उनका संदेश आया है कि किसान के साथ जो वादा किया वो पूरा क्यों नहीं हुआ? उन्होंने कहा कि जब कोई भी सरकार वादा करती है और वह वादा किसान से जुड़ा हुआ है तब हमें कभी कोई कसर नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान हमारे लिए आदरणीय है, प्रातः स्मरणीय हैं, सदैव वंदनीय है। मैं खुद कृषक पुत्र हूँ, मैं जानता हूँ किसान क्या कुछ नहीं झेलता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि किसान से वार्ता अविलंब होनी चाहिए और हमें जानकारी होनी चाहिए कि क्या किसान से कोई वादा किया गया था ?उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री जी का दुनिया को संदेश है कि जटिल समस्याओं का निराकरण वार्ता से होता है।

राहुल और प्रियंका गांधी को नहीं मिली संभल जाने की इजाजत

कांग्रेस का सवाल- क्या छिपाने की हो रही कोशिश?

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। लोकसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को हिंसा प्रभावित संभल का दौरा करने पर अड़ा हुआ है। हालांकि, पुलिस और प्रशासन ने उन्हें जिले में पहुंचने से पहले ही रोक लिया है। संभल में बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध सहित निषेधाज्ञा लागू है। सीमा पर भारी अराजकता देखी गई क्योंकि पुलिस ने राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, जिससे बड़े पैमाने पर यातायात जाम हो गया। सड़क पर बैरिकेड्स लगा दिए गए, जिससे यातायात रुक गया और कांग्रेस कार्यकर्ता नारेबाजी के बीच बैरिकेड्स पर चढ़ने का प्रयास करते देखे गए।

प्रियंका ने कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं और यह उनका संवैधानिक अधिकार है। उन्हें (संभल) जाने की अनुमति दी जानी चाहिए थी। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी, सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा और पार्टी के अन्य नेता संभल का दौरा करना चाहते थे। राहुल गांधी भी प्रशासन की गाड़ी में अकेले संभल जाने को तैयार थे। उन्होंने डीजीपी से भी बात की लेकिन पुलिस और प्रशासन अभी भी उन्हें रोक रहा है। इससे हमारे मन में सवाल उठ रहे हैं कि वे क्या छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि वह संभल में कुछ भी गलत करने जा रहे हैं। वह सिर्फ पीड़ित परिवारों से मिलना चाहते हैं। अगर डीजीपी से बात करने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकलता है तो यूपी प्रशासन और पुलिस पर कई सवाल खड़े होते हैं।

अवैध अधिग्रहण की साजिश रचने का आरोप, जगन रेड्डी, वाईएसआरसी नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर (न्यूज चैनल)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी पर काकीनाडा बंदरगाह के हजारों करोड़ रुपये के शेयरों के अवैध अधिग्रहण की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। आंध्र प्रदेश सीआईडी ??में दर्ज एफआईआर में सांसद विजय साई रेड्डी, सांसद वाईवी सुब्बा रेड्डी के बेटे विक्रांत रेड्डी और अरबिंदो फार्मा के निदेशक शरथ चंद्र रेड्डी का भी नाम है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि काकीनाडा बंदरगाह का 40 फीसदी हिस्सा, जिसकी कीमत 2,500 करोड़ रुपये है, जबरन सिर्फ 494 करोड़ रुपये में हासिल कर लिया गया। इसी तरह, 400 करोड़ रुपये मूल्य के काकीनाडा विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) का 49 प्रतिशत हिस्सा, पूरी राशि के लिए जीएमआर समूह की प्रतिस्पर्धी पेशकश के बावजूद, मात्र 12 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। मई 2020 में सांसद विजय साई रेड्डी ने कथित तौर पर केवी राव को सूचित किया कि विक्रांत रेड्डी काकीनाडा पोर्ट शेयरों के अधिग्रहण के संबंध में संपर्क करेंगे। विक्रांत रेड्डी ने बाद में स्पष्ट किया कि शेयर जगन मोहन रेड्डी की ओर से हासिल किए जा रहे थे। बाद में शेयरों को अरबिंदो रियल्टी एंड इंफ्रास्ट्रक्चर को हस्तांतरित कर दिया गया।

सीनियर के खिलाफ शिकायत करने पर बर्खास्त हुई थीं महिला जज, खुद बहस कर हाईकोर्ट से हासिल की जीत

बिलासपुर, 4 दिसंबर (हाईवे चैनल)। बर्खास्त की गई महिला जज ने अपने केस में खुद बहस कर हाई कोर्ट में बड़ी जीत हासिल की है. स्थायी समिति की अनुशंसा पर 7 साल पहले उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया था, जिसके खिलाफ उन्होंने याचिका लगाई थी. इसके बाद विधि एवं विधायी विभाग और हाईकोर्ट ने अपील की थी. उनके पक्ष में फैसला आने पर हाई कोर्ट ने उन्हें नियुक्ति भी दे दी है। दरअसल, बिलासपुर के सरकंडा में रहने वाली आकांक्षा भारद्वाज का चयन वर्ष 2012-13 में परीक्षा के जरिए सिविल जज के पद पर हुआ था. 12 दिसंबर 2013 को जारी आदेश के अनुसार उन्हें दो वर्ष की परिवीक्षा पर नियुक्त किया गया. उन्होंने 27 दिसंबर 2013 को ज्वाइन किया. इस दौरान एक सीनियर मजिस्ट्रेट ने उसने अनुचित व्यवहार किया, लेकिन नई ज्वाइनिंग होने से उन्होंने इसकी शिकायत नहीं की. प्रारंभिक प्रशिक्षण के बाद उन्हें अगस्त 2014 में अंबिकापुर में प्रथम सिविल जज वर्ग-2 के पद का स्वतंत्र प्रभार दिया गया. इस बीच अधिकांश सीनियर मजिस्ट्रेट का तबादला हो गया. अंबिकापुर में सिर्फ 4 सिविल जज बचे. सभी एक सीनियर मजिस्ट्रेट के अधीन थे. आरोप है कि जब भी वे सीनियर मजिस्ट्रेट के पास न्यायिक मामलों में मार्गदर्शन के लिए जाती, तो उनसे अनुचित व्यवहार किया जाता था. जिसे लेकर उन्होंने उच्चाधिकारियों से पहले मौखिक और बाद में लिखित शिकायत की. उनकी शिकायत पर हाई कोर्ट ने आंतरिक शिकायत कमेटी बनाई.

कमेटी ने जांच के बाद 6 अप्रैल 2016 को रिपोर्ट सौंपी. उसमें सीनियर मजिस्ट्रेट के खिलाफ शिकायत निराधार पाई गई. कमेटी की रिपोर्ट के खिलाफ अपील की गई, पर उसे भी 5 जनवरी 2017 को खारिज कर दिया गया. तब हाई कोर्ट की सिफारिश पर आकांक्षा को 9 फरवरी 2017 को विधि-विधायी विभाग ने बर्खास्त कर दिया. जिस पर उन्होंने बर्खास्तगी के खिलाफ याचिका लगाई थी, और मामले की सुनवाई के दौरान खुद अपना पक्ष रखा. हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने मई 2024 में उनके पक्ष में फैसला देते बैक वेजेस के बगैर सिविल जज-2 के पद पर वरिष्ठता के साथ बहाल करने के आदेश दिए थे. सिंगल बेंच के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट और विधि एवं विधायी विभाग ने अपील की थी. महिला सिविल जज ने सिंगल बेंच के फैसले के एक हिस्से को चुनौती दी थी. इस पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच में सुनवाई हुई, और हाई कोर्ट ने अपील मंजूर की थी. इसके बाद 3 दिसंबर 2024 को उनकी पोस्टिंग कर दी गई है. उन्हें महासमुंद में पदस्थ किया गया है.